Date: 08/10/25

MDC-3

Topic: समाजीकरण : अर्थ एवं परिभाषा

→ अरस्तु ने कहा था कि "मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है।"

→ मनुष्य इसलिए सामाजिक प्राणी है क्योंकि सामाजीकरण की प्रक्रिया द्वारा समाज उसे जैविकीय प्राणी से एक सामाजिक प्राणी के रूप में परिवर्तित करता है।

→ जन्म के समय मानव केवल रक्त, मॉस और नैसर्गिक प्रवृत्तियों से बना हुआ एक जैविकीय प्राणी मात्र होता है, परन्तु जैसे-जैसे वह बड़ा होता है उसे सामाजिक रीति के द्वारा धीरे-धीरे व्यवहार करना सिखाया जाता है।

→ संक्षेप में, जिस प्रक्रिया के द्वारा एक जैविकीय प्राणी सामाजिक प्राणी के रूप में परिवर्तित होता है, उसी प्रक्रिया का नाम समाजीकरण है।

PDF by
Dr. Nitish Vardhan
Sociology